यूपी बोर्ड परीक्षा - 2023

कक्षा-10 (विषय - हिंदी)

केवल प्रश्नपत्र

समय- 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक- 70**

निर्देश-

(I) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

(II) प्रश्नपत्र दो खण्ड (अ) तथा खण्ड (ब) में विभाजित है।

खण्ड 'अ'

1. शुक्ल युग की कालावधि है— 1

(क) 1850 ई० से 1900 तक (ख) 1900 ई० से 1920 तक

(ग) 1919 ई० से 1938 तक (घ) 1938 ई० से 1947 तक

2. छायावादोत्तर युग के प्रमुख कवि का नाम है— 1

(क) रामधारी सिंह 'दिनकर' (ख) डॉ० नगेन्द्र

(ग) रामचन्द्र शुक्ल (घ) अध्यापक पूर्णसिंह

3. भगवतशरण उपाध्याय द्वारा रचित निबन्ध कौन-सा है? 1

(क) ठूँठा आम (ख) ठेले पर हिमालय

(ग) दृष्टिकोण (घ) नदी के द्वीप

4. 'रस मीमांसा' के लेखक हैं— 1

(क) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (ख) गुलाबराय

(ग) भगवतशरण उपाध्याय (घ) जयप्रकाश भारती

5. शुक्ल युग के प्रमुख इतिहासकार हैं— 1

(क) डॉ० नगेन्द्र (ख) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ग) बाबू गुलाबराय (घ) इनमें से कोई नहीं

6. निम्न में से आधुनिककाल की विशषताएँ कौन-सी हैं? 1

(क) जीवन के यथार्थ की प्रधानता

(ख) बौद्धिकता की प्रधानता

(ग) विकल्प (क) और (ख) दोनों

(घ) मुक्तक काव्य की प्रमुखता

7. 'साकेत' महाकाव्य की रचना किसने की? 1

(क) मैथिलीशरण गुप्त (ख) जयशंकर प्रसाद

(ग) 'हरिऔध' (घ) नागार्जुन

8. प्रगतिवादी युग की दो प्रवृत्तियाँ (विशेषताएँ) कौन-सी हैं? 1

(क) सौन्दर्य-भावना

(ख) करुणा तथा नैराश्य की भावना

(ग) मानवतावादी प्रवृत्ति

(घ) विद्रोह एवं क्रान्ति की भावना

9. निम्न में से रीतिकाल के प्रमुख दो कवि कौन-से हैं? 1

(क) पद्माकर (ख) बिहारी

(ग) विकल्प (क) व (ख) दोनों (घ) सूरदास

10. 'ललित ललाम' के रचयिता हैं— 1

(क) पद्माकर (ख) मतिराम (ग) भूषण (घ) बिहारी

11. 'हँसी-हँसी भाजै देखि दूलह दिगम्बर को, पाहुनी जे आवैं हिमाचल के उछाह में।' में निम्नलिखित रस है— 1

(क) शृंगार रस (ख) करुण रस (ग) हास्य रस (घ) वीर रस

12. 'हरि मुख मनहुँ, मयंक।' पंक्ति में अलंकार है— 1

(क) उत्प्रेक्षा (ख) रूपक (ग) उपमा (घ) अनुप्रास

13. लिख कर लोहित लेख, डूब गया दिनमणि अहा।
व्योम सिन्धु सखि देखि, तारक बुद, बुद दे रहा।।
इन पंक्तियों के पहले और तीसरे चरण में मात्राएँ हैं— 1

(क) 11-11 मात्राएँ (ख) 13-13 मात्राएँ
(ग) 24-24 मात्राएँ (घ) 16-16 मात्राएँ

14. 'सुदर्शन' शब्द में उपसर्ग है— 1

(क) निर् (ख) सु (ग) सहृदय (घ) आ

15. 'घबराहट' शब्द में प्रत्यय है— 1

(क) हट (ख) गम (ग) गरम (घ) वट

16. 'भवानीशंकर' में समास है— 1

(क) तत्पुरुष समास (ख) द्विगु समास
(ग) बहुव्रीहि समास (घ) द्वन्द्व समास

17. कमल, राजीव, जलज आदि कहलाते हैं— 1

(क) विलोम (ख) उपसर्ग (ग) पर्यायवाची (घ) प्रत्यय

18. 'प्रत्येकम्' का सन्धि-विच्छेद है— 1

(क) प्रति + एकः (ख) प्रति + एकम्
(ग) प्रति + ऐकम् (घ) प्रत्येक + म्

19. 'मधुषुः' रूप है 'मधु' शब्द का— 1

(क) तृतीया विभक्ति, बहुवचन (ख) पंचमी विभक्ति, बहुवचन
(ग) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन (घ) द्वितीया विभक्ति, एकवचन

20. 'हसेयुः' रूप है 'हस्' धातु का— 1

(क) विधिलिङ् लकार, प्रथम पुरुष, बहुवचन
(ख) लङ् लकार, प्रथम पुरुष, बहुवचन
(ग) लोट् लकार, उत्तम पुरुष, बहुवचन
(घ) लट् लकार, मध्यम पुरुष, एकवचन

खण्ड 'ब'

21. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी *एक* के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए— (3 × 2 = 6)

(क) दूसरी बात जो इस सम्बन्ध में विचारणीय है, वह यह है कि संस्कृति अथवा सामूहिक चेतना ही हमारे देश का प्राण है। इसी नैतिक चेतना के सूत्र से हमारे नगर और ग्राम, हमारे प्रदेश और सम्प्रदाय, हमारे विभिन्न वर्ग और जातियाँ आपस में बँधी हुई हैं। जहाँ उनमें और सब तरह की विभिन्नताएँ हैं, वहाँ उन सब में यह एकता है। इसी बात को ठीक तरह से पहचान लेने से बापू ने जनसाधारण को बुद्धिजीवियों के नेतृत्व में क्रान्ति करने के लिए तत्पर करने के लिए इसी नैतिक चेतना का सहारा लिया था।

(i) प्रस्तुत गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) क्रान्ति के लिए बापू ने किसका सहारा लिया था ?

(ख) "हे भगवान्! तब के लिए! विपद के लिए! इतना आयोजन! परमपिता की इच्छा के विरुद्ध इतना साहस! पिताजी, क्या भीख न मिलेगी? क्या कोई हिन्दू भू-पृष्ठ पर न बचा रह जाएगा, जो ब्राह्मण को दो मुट्ठी अन्न दे सके? यह असम्भव है। फेर दीजिए पिताजी, मैं काँप रही हूँ—इसकी चमक आँखों को अंधा बना रही है।"

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

(iii) गद्यांश में किस कार्य को ईश्वर की इच्छा के विरुद्ध बताया गया है?

22. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी *एक* के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— (3 × 2 = 6)

(क) ऊधौ मोहिं ब्रज बिसरत नाहीं ।
बृन्दाबन गोकुल बन उपबन, सघन कुंज की छाहीं ।।
प्रात समय माता जसुमति अरु नंद देखि सुख पावत ।
माखन रोटी दह्यौ सजायौ, अति हित साथ खवावत ।।
गोपी ग्वाल बाल सँग खेलत, सब दिन हँसत सिरात ।
सूरदास धनि-धनि ब्रजबासी, जिनसौं हित जदु-तात ।।

(i) प्रस्तुत पद्यांश की ससंदर्भ हिन्दी में व्याख्या कीजिए तथा काव्य-सौन्दर्य भी स्पष्ट कीजिए।

(ii) श्रीकृष्ण किसके ध्यान में खोकर रह गये?

(iii) 'बृन्दावन गोकुल बन उपबन, सघन कुंज की छाँहीं।' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) सेना-नायक राणा के भी,
रण देख देखकर चाह भरे।
मेवाड़ सिपाही लड़ते थे
दूने तिगुने उत्साह भरे।।
क्षण मार दिया कर कोड़े से,
रण किया उतर कर घोड़े से।
राणा रण कौशल दिखा-दिखा,
चढ़ गया उतर कर घोड़े से ।।

क्षण भीषण हलचल मचा-मचा,
राणा-कर की तलवार बढ़ी।
था शोर रक्त पीने का यह
रण चण्डी जीभ पसार बढ़ी।।

(i) प्रस्तुत पद्यांश की ससंदर्भ हिन्दी में व्याख्या कीजिए तथा काव्य-सौन्दर्य भी स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'क्षण मार दिया कर कोड़े से' पंक्ति में निहित भाव स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'राणा रण कौशल' में कौन-सा अलंकार प्रयुक्त हुआ है और क्यों?

23. (क) **निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी किसी एक प्रमुख रचना का नाम लिखिए—** (3 + 2 = 5)

(i) रामचन्द्र शुक्ल (ii) भगवतशरण उपाध्याय
(iii) जयशंकर प्रसाद

(ख) **निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी किसी एक प्रमुख रचना का नाम लिखिए—** (3 + 2 = 5)

(i) सूरदास, (ii) सुभद्राकुमारी चौहान, (iii) सुमित्रानंदन पंत

24. (क) **निम्नलिखित संस्कृत-गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए—** (2 + 3 = 5)

(i) आरक्षकः—श्रीमन् ! अयम् अस्ति चन्द्रशेखरः। अयं राजद्रोही। गतदिने अनेनैव असहयोगिनां सभायां एकस्य आरक्षकस्य दुर्जयसिंहस्य मस्तके प्रस्तरखण्डेन प्रहारः कृतः। येन दुर्जयसिंहः आहतः।

न्यायाधीशः—*(तं बालकं विस्मयेन विलोकयन्)* रे बालक ! तव किं नाम ?

चन्द्रशेखरः—आजादः *(स्थिरीभूय)*।

न्यायाधीशः—तव पितुः किं नाम ?

चन्द्रशेखरः—स्वतन्त्रः।

न्यायाधीशः—त्वं कुत्र निवसति ? तव गृहं कुत्रास्ति ?

चन्द्रशेखरः—कारागार एव मम गृहम् ।

न्यायाधीशः—*(स्वगतम्)* कीदृशः प्रमत्तः स्वतन्त्रतायै अयम् ? *(प्रकाशम्)* अतीव धृष्टः उद्दण्डश्चायं नवयुवकः। अहम् इमं पञ्चदश कशाघातान् दण्डयामि।

चन्द्रशेखरः—नास्ति चिन्ता।

(ii) **अलक्षेन्द्रः**—अथ मे भारतविजयः दुष्करः।

पुरुराजः—न केवलं दुष्करः असम्भवोऽपि।

अलक्षेन्द्रः—*(सरोषम्)* दुर्विनीत, किं न जानासि, इदानीं विश्वविजयिनः अलक्षेन्द्रस्य अग्रे वर्तसे ?

पुरुराजः—जानामि, किन्तु सत्यं तु सत्यम् एव यवनराज ! भारतीयाः वयं गीतायाः सन्देशं न विस्मरामः।

अलक्षेन्द्रः—कस्तावत् गीतायाः सन्देशः ?

पुरुराजः—श्रूयताम्।

हतो वा प्राप्स्यसि स्वर्गं जित्वा वा भोक्ष्यसे महीम् ।
निराशीर्निर्ममो भूत्वा युध्यस्व विगतज्वरः ।।

(ख) निम्नलिखित संस्कृत-पद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए— (2 + 3 = 5)

(i) सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद् दुःखभाग् भवेत् ॥

(ii) मरणं मङ्गलं यत्र विभूतिश्च विभूषणम्।
कौपीनं यत्र कौशेयं सा काशी केन मीयते ॥

(ग) अपनी पाठ्य-पुस्तक के 'संस्कृत-खण्ड' से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो। (2 × 1 = 2)

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए— (2 + 2 = 4)

(i) गीतायाः कः सन्देशः?

(ii) चन्द्रशेखरः स्वनाम किम अकथयत्?

(iii) कुत्र लोहमयं विज्ञातम्?

(iv) वातात् शीघ्रतरं किम् अस्ति?

(v) आतुरस्य मित्रं कः भवति?

25. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए— (9 × 1 = 9)

(i) छात्रों के लिए पुस्तकालय की उपयोगिता

(ii) विज्ञान : वरदान या अभिशाप

(iii) वन महोत्सव

(iv) योग शिक्षा : आवश्यकता और उपयोगिता

(v) बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

26. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक खण्ड के प्रश्नों के उत्तर लिखिए— (3 × 1 = 3)

(क) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के प्रमुख सप्तम सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का कथानक लिखिए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर 'मेघनाद-प्रतिज्ञा' का वर्णन कीजिए।

(ग) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर कैकेयी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'कर्मवीर भरत' के पंचम सर्ग 'वनगमन' का सारांश लिखिए।

(घ) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य का सारांश लिखिए।

(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के नायक गांधीजी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ङ) (i) 'मेवाड़-मुकुट' के प्रथम सर्ग 'अरावली' का सारांश लिखिए।

(ii) 'मेवाड़-मुकुट' के खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(च) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर जवाहरलाल नेहरू का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

(छ) (i) 'मातृ-भूमि के लिए' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए।

(ii) 'मातृ-भूमि के लिए' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ज) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के किसी एक प्रमुख पात्र का चरित्रांकन कीजिए।

(झ) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग का कथासार अपने शब्दों में लिखिए।

*****